नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट जाने के लिए सड़कों का जाल बिछेगा

उम्मीदें 2025

उत्तर प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले गौतमबुद्ध नगर के लिए जहां वर्ष 2024 सुकून भरा रहा, वहीं नववर्ष में नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट शुरू होने से विकास के नए आयाम स्थापित होंगे। जिले को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा समेत विभिन्न राज्यों से जोड़ने के लिए नए एक्सप्रेसवे और सड़कों का निर्माण होगा।

■ आशीष धामा

ग्रेटर नोएडा। नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट को ध्यान में रखते हुए शहर में बेहतर कनेक्टिविटी के लिए कई सड़कें बनाई जाएंगी। इससे न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि नोएडा, ग्रेनो और यमुना सिटी के बुनियादी ढांचे की तस्वीर भी बदलेगी। सड़क कनेक्टिविटी के लिहाज से आने वाला नया साल जिले के लिए परिवहन के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां से भरा रहेगा। सड़कों के जाल से परिवहन क्रांति को नया मुकाम मिलेगा।

नए साल में जेवर स्थित निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से जहां एक ओर यात्री विमान उड़ान भरते दिखेंगे तो वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी का निर्माण भी शुरू हो जाएगा। यह दोनों ही केंद्र और राज्य सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक हैं। इन परियोजनाओं को विकसित करने के साथ ही क्षेत्र में सुगम यातायात के लिए सड़क और रेल कनेक्टिविटी का भी जाल बिछेगा। कई सड़कों का कार्य तो अब लगभग पूरा होने को हैं, जबकि कई बड़े राष्ट्रीय राजमार्ग धरातल पर उतरने की तैयारी कर चुके हैं।

एयरपोर्ट को उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों और शहरों के साथ ही दिल्ली, हरियाणा, मुंबई, राजस्थान और कोलकाता समेत विभिन्न राज्यों को जोड़ने के लिए रूट चार्ट बनकर तैयार हो चुका है। एयरपोर्ट से जहां जेवर को दुनिया के नक्शे में विशेष दर्जा मिलेगा तो वहीं परिवहन क्रांति के लिए भी यह सबसे उत्तम शहरों की श्रेणी में शुमार हो जाएगा।

इन राज्यों-शहरों से जुड़ेगा एयरपोर्ट

विभिन्न राज्यों को जोड़ने के लिए रूट चार्ट बनकर तैयार हो चुका

सड़क कनेक्टिविटी

- पेरीफेरल रिंग रोड (पूर्वी और पश्चिमी)
- यमुना एक्सप्रेसवे नोएडा से आगरा
- गोल्डन क्वाडिलेटरल उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर
- प्रस्तावित पलवल खुर्जा एक्सप्रेसवे
- दिल्ली- मुंबई एक्सप्रेसवे का बल्लभगढ़ से लिंक

रेल कनेक्टिविटी

- आरआरटीएस
- पश्चिमी डीएफसी (दादरी), निर्माणाधीन
- पूर्वी डीएफसी (वाया खुर्जा), निर्माणाधीन
- मेट्रो एक्सटेंशन: नोएडा से एयरपोर्ट
- हाईस्पीड रेल लिंक एयरपोर्ट टर्मिनल तक

एयर कार्गो टर्मिनल को भी जोड़ने की तैयारी

यमुना एक्सप्रेसवे से एयर कार्गो टर्मिनल को जोड़ने वाली 8.25 किलोमीटर लंबी सड़क बनाई जाएगी। इसके लिए 178 करोड़ रुपए का प्रस्ताव पास हुआ है। सड़क के कैरिज-वे (जिस हिस्से पर वाहन चलते हैं) की चौड़ाई 18 मीटर रहेगी। कार्गो वाहनों के दृष्टिगत सड़क की कैरिज-वे की चौड़ाई को 14 से 18 मीटर कर दिया है। इसके अलावा एयरपोर्ट को एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए 60 मीटर चौड़ा और 800 मीटर लंबा वीआईपी लूप भी तैयार होना है। लूप पर कैरिज-वे की चौड़ाई 33 मीटर होगी। छह महीने में दोनों मार्ग तैयार होंगे।

यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा केजीपी

नए साल में यमुना एकसप्रेसवे को जीरो प्वाइंट से 10 किलोमीटर पर जगनपुर अफजलपुर गांव के पास ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (केजीपी) से जोड़ने की तैयारी है। एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए आठ लूप बनेंगे, जो कुल 6.6 किलोमीटर के होंगे। इसका निर्माण एनएचएआई करेगा। दोनों एक्सप्रेसवे जुड़ने से गाजियाबाद, हापुड़ और मेरठ के लोगों को आगरा की ओर जाने के लिए यमुना एक्सप्रेसवे पर चढ़ने के लिए ग्रेटर नोएडा में परी चौक तक जाना पड़ेगा। यह कनेक्टिविटी होने से इन जिलों के वाहन दुहाई और डासना से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर चढ़ने के बाद सीधे यमुना एक्सप्रेस-वे पहुंच सकेंगे। साथ ही मथुरा, आगरा की ओर से आने वाले यात्रियों को पेरीफेरल पर चढ़ने के लिए 20 किलोमीटर का चक्कर नहीं लगाना होगा। फिलहाल दोनों एक्सप्रेसवे के बीच कोई लिंक नहीं है। बता दें कि यह निर्माण कार्य आगामी नववर्ष में ही पूरा किया जाना है।